Daily Gospel Reflections in Hindi

11 September 2019

लूकस 12 : 41 – 48

Be faithful and wise steward

आज के दुनियाँ में बहुत सारे लोग दुनियाँ के अंत के बारे में सोचकर घबराते हैं। शहर की दीवारों में ऐसे लिखे भी पायेंगे – Jesus Will Return. यही बात लोगों के मन में भय उत्पन्न कराते हैं, और चर्च भी पहूँचाने के लिए मजबूर कराते हैं। ख्रीस्त विश्वसियों को दुनियाँ के अन्त के बारे में सोच कर समय व्यर्थ करने से उचित है की वे अपने ही बीच में ईश्वर को पहचाने। अपनी दिनचर्या में सामना करने वाले लोगों के अन्दर–उनके जरूरतों में कुशलता से ईश्वर को पहचाने।

हम सभी को दूसरों के लिए एक अनुग्रह वाला जीवन बनाने का सुसमाचार दिया गया है। यदि हम अपनी उन जिम्मेदारियों को छोटा बनाकर जीवन बिताया तो, नैतिक और आत्मिक रूप से हम गैर जिम्मेदार बने रहेंगे। येसु हमारे लिए अपनी पूरी जिम्मेदारी निभाते हुए खुद को न्यौछावर किया। हर एक ख्रीस्तीय को विशेषकर हम सभी को औरों के लिए हमारी जिंदगी बिताकर जिम्मेदार बनना है।

Actions speak louder than words, जो सेवक सोच विचार किये, बातें किये, उन्हीं को नहीं, लेकिन जिन्होंने कुछ करके दिखाया, उसी को ईमानदार ठहराया गया।

Rev. Fr. Santo Pullan

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019